बालोतरा में प्रदर्शनकारियों पर चढ़ाई गाड़ी, आक्रोशित भीड़ ने दो गाड़ियों को फूंका

अब तक मामला दर्ज नहीं, एचपीसीएल कम्पनी में रोजगार की मांग कर रहे स्थानीय लोग

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा उपखंड क्षेत्र के पचपदरा रिफाइनरी के गेट नंबर तीन पर मंगलवार को प्रदर्शनकारियों पर गाड़ियां चढाकर कुचलने का प्रयास किया गया। इसके बाद लोगों ने दो बोलेरो कैंपर पर लाठियों से तोड़फोड़ कर आग के हवाले कर दिया। इस दौरान बदमाशों ने तीन राउंड हवाई फायरिंग भी की। प्रदर्शनकारी और अधिकारी जान बचाकर मौके से भागे। घटना के बाद बदमाश मौके के फरार हो गए।

दरअसल, स्थानीय लोग सुबह 11 बजे रोजगार और ठेके देने की मांग को लेकर धरना देने पहुंचे थे। गेट नंबर 3 पर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे। उनकी मांग थी कि तहसीलदार मौके पर पहुंचकर समस्या सुनें, इसी दौरान ज्ञापन दिया जाएगा। सूचना के बाद करीब 12 बजे सरपंच डालूराम तथा तहसीलदार इमरान खान मौके पर पहुंचे। तभी काले शीशे वाली करीब 7 बोलेरो गाडियों में बदमाश सवार होकर आए। अधिकारियों और भीड को कुचलने का प्रयास किया।

घटना के बाद अधिकारी और प्रदर्शनकारी आपस में भिड़ गए। पत्थरबाजी भी की गई। मामला बढता देख पचपदरा पुलिस उप अधीक्षक मदनलाल मीणा और बालोतरा एएसपी नीरज कुमारी शर्मा मौके पर पहुंचे। उग्र प्रदर्शनकारियों को शांत करने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया। मामले के संबंध में एडीएम अश्विनी के पंवार और उपखंड अधिकारी विवेक व्यास प्रदर्शनकारियों से वार्ता कर रहे हैं। वहीं, शांति व्यवस्था को देखते हुए पुलिस जाप्ता तैनात किया गया है।

आक्रोशित लोगों के आग लगाने के बाद गाड़ियां धू-धू कर जलने लगी।

- बदमाशों ने तीन राउंड हवाई फायरिंग भी की

दरअसल, पचपदरा में रिफाइनरी का कार्य निर्माणाधीन है। बाहर की कंपनियां एचपीसीएल रिफाइनरी में कार्य कर रही है। जहां रोजगार पाने के लिए स्थानीय लोग अथक प्रयास कर रहे हैं। बार-बार रोजगार देने की मांग की जा रही है, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल रहा है।

एएसपी नीतेश आर्य ने बताया कि पचपदरा रिफाइनरी में गेट नंबर 3 पर तहसीलदार एक पक्ष का ज्ञापन ले रहे थे। इस दौरान करीब 7 गाड़ियों में सवार होकर आए बदमाशों ने लोगों पर गाडी चढाने का प्रयास किया। विवाद बढने के बाद अज्ञात लोगों ने दो कैंपर गाड़ियों में लाठियों से तोडफोड की और आग के हवाले कर दिया।

तहसीलदार इमरान खान ने बताया कि स्थानीय 36 कौम के लोग रोजगार की मांग को लेकर मेरे पहुंचने से पहले शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे। जो स्थानीय लोगों को प्राथमिकता से रोजगार देने और ठेका देने की मांग कर रहे थे। इस दौरान पीछे करीब 7 बोलेरो गाड़िया आई, जिनके काले शीशे थे। भीड के साथ हमें भी कुचलने का प्रयास किया गया।

रिफाइनरी में शुरू से ही स्थानीय लोग रोजगार की मांग कर रहे हैं। पहले भी कई बार रोजगार देने की मांग उठी तो बाहर से आई कंपनियों ने स्थानीय कुछ लोगों को रोजगार दिया था। राजस्थान सरकार की संयुक्त परियोजना हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और राजस्थान सरकार की संयुक्त परियोजना के तहत बाडमेर के पचपदरा में 450० एकड जमीन पर रिफाइनरी कम पेट्रो कैमिकल्स का निर्माण किया जा रहा है। परियोजना में एचपीसीएल की हिस्सेदारी 74 फीसदी और राजस्थान सरकार की 26 फीसदी है।

डी.एल.एड. आवेदन में रही कमियों को दूर कर सकते हैं कैंडिडेट्स

संशोधन केवल कैटेगरी और जेण्डर में किया जा सकेगा

बीकानेर, (कासं)। शिक्षा विभाग ने डीएलएड एडमिशन के लिए आवेदन कर चुके केंडिडेट्स को अपने फॉर्म में संशोधन के लिए कल तक का समय दिया है। पचास रुपए फीस देकर केंडिडेट्स सभी तरह की त्रुटियों को सुधार सकते हैं। नए सिरे से आवेदन भर सकते हैं।

अधिकृत वेबसाइट से प्री-डीएलएड परीक्षा के ऑनलाइन आवेदन में रही त्रुटियों को 9 नवंबर तक सुधारने का मौका दिया गया है। प्रदेश के 372 डीएलएड कॉलेजों में परीक्षा करवाई गई थी। जिसका रिजल्ट एक नवंबर को घोषित किया जा चुका है। अभ्यर्थियों की मांग पर शिक्षा विभाग ने ऑनलाइन काउंसलिंग का प्रोसेस शुरू करने से पहले आवेदन पत्र में रही गलतियों को सुधारने का एक अंतिम अवसर दिया है।

- देना होगा पचास रुपए शुल्क
- नौ नवंबर के बाद किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा

शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 50 रुपए टोकन शुल्क देखकर अभ्यर्थी स्वयं के लॉगइन आईडी में पासवर्ड के जरिए 9 नवंबर रात 12 बजे तक संशोधन कर सकेंगे। संशोधन केवल कैटेगरी और जेण्डर में किया जा सकेगा।

प्रदेश के डीएलएड कॉलेजों में एडमिशन के लिए अभ्यर्थियों को ऑनलाइन काउंसलिंग के लिए करीब 10 दिन का समय दिया जाएगा। ऑनलाइन काउंसलिंग का प्रोसेस 15 नवंबर के आस-पास शुरू होने की संभावना है। इधर, शिक्षा विभाग में डीएलएड द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं 10 नवंबर से शुरू होंगी जो 22 नवंबर तक चलेंगी। परीक्षा एक पारी में सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक होगी।

नीरू भारद्वाज, पंजीयक, शिक्षा विभागीय परीक्षाएं राजस्थान बीकानेर का कहना है कि ऑनलाइन आवेदन में संशोधन का अभ्यर्थियों को अंतिम मौका दिया गया है। 9 नवंबर के बाद किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

पत्रकार की शिकायत पर एफ.आई.आर. दर्ज

- न्यायालय के आदेश पर कोतवाल व नर्सिंगहोम संचालक के खिलाफ दर्ज हुआ मुकदमा

कानपुर, (निसं)। पत्रकार की शिकायत पर माननीय न्यायालय के आदेश पर रसूलाबाद के तत्कालीन थाना प्रभारी, निजी नर्सिंग होम संचालक व उसमें काम करने वाले लगभग आधा दर्जन कर्मचारियों के खिलाफ गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। वहीं पीडित पत्रकार ने आशंका व्यक्त की है कि आरोपी पुलिस अधिकारी के पद पर रहते मामले की जाँच प्रभावित हो सकती है क्योंकि वो जिले में ही तैनात है।

गौरतलब हो कि रसूलाबाद क्षेत्र के मनावा निवासी विशाल सिंह गौतम, पेशे से पत्रकार हैं और एक समाचारपत्र में क्षेत्रीय समाचारों के संकलन का कार्य करते हैं। विशाल ने बताया कि बिगत 27 जून 2022 को वह रसूलाबाद क्षेत्र स्थित एस0 एस0 जी0 हेल्थकेअर में हंगामा की खबर बना रहे थे। इसी दौरान नर्सिंग होम संचालक डॉ0 स्वप्निल सिंह ने अपने कर्मचारियों के बल पर पत्रकार का मोबाइल छीन लिया था और मारपीट करते हुए जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित किया था। इस कृत्य में तत्कालीन थानाप्रभारी शिव ठाकुर ने मनमाफिक रवैया अपनाते हुए नर्सिंग होम संचालक डॉ0 स्वप्निल सिंह का साथ देकर, मनगढन्त तहरीर बनवाकर दबाव बनाने के लिये विशाल के खिलाफ एक कूटरचित मुकदमा उसके खिलाफ दर्ज करवा दिया था।

पीड़ित पत्रकार विशाल ने अपनी व्यथा जिले के उच्चाधिकारियों सहित माननीय न्यायालय के समक्ष रखी और बताया कि उसे फर्जी फंसाया गया है। इतना ही नहीं उसके मोबाइल के संकलित सूबूत पुलिस ने मिटा दिये हैं। विशाल के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए माननीय स्पेशल जज एस0 सी0 एस0 टी0 कानपुर देहात ने उक्त मामले की एफ आई दर्ज करने का आदेश दिया। स्पेशल जज के आदेश पर तत्कालीन रसूलाबाद थाना प्रभारी शिव ठाकुर, एस एस जी हेल्थकेयर की संचालक डॉ0 स्वप्निल सिंह व 5-6 अज्ञात कर्मचारियों के खिलाफ थाना रसूलाबाद में मामला दर्ज किया गया है।

पीड़ित पत्रकार विशाल सिंह ने यह आशंका व्यक्त की है कि पुलिस अधिकारी शिव ठाकुर वर्तमान में जिले में ही सिकन्द्रा में तैनात हैं और उनके पद पर रहते मामले की जाँच प्रभावित की जा सकती है। ऐसे में मुझे क्या न्याय मिल पायेगा ?

बीकानेर में 19 नए रोगी मिले, 473 पर पहुंचा आंकड़ा

बीकानेर, (कासं)। डेंगू के नए रोगी मिलने का सिलसिला थम नहीं रहा है। आज 19 नए रोगी पीबीएम हॉस्पिटल में रिपोर्ट हुए हैं। इनमें से आठ भर्ती हैं। पीबीएम में अब तक 473 डेंगू पॉजिटिव रिपोर्ट हो चुके हैं, जिनमें से 251 का भर्ती कर इलाज किया गया। बीते सप्ताह भर से डेंगू का प्रकोप बढ़ रहा है।

इस बार डेंगू सबसे ज्यादा बच्चों, स्कूल-कॉलेज वाले किशोरों और कामकाजी युवाओं को अपनी चपेट में ले रहा है। बीकानेर में इस वर्ष के उपलब्ध 462 रोगियों का डेटा एनालिसिस करने पर सामने आया कि बुजुर्गों को डेंगू सबसे कम हो रहा है। डेंगू पीड़ितों में सबसे ज्यादा 50.21 प्रतिशत रोगियों की उम्र 16 से 35 वर्ष के बीच है। इसके बाद 15 वर्ष तक के बच्चे 22.07 प्रतिशत और 36 से 50 वर्ष तक वाले रोगी 14.28 प्रतिशत हैं। सबसे कम डेंगू रोगी 70 से अधिक उम्र वाले हैं। इनका प्रतिशत 2.38 है। स्कूल-कॉलेज के स्टूडेंट और कामकाजी लोगों के इस बीमारी की चपेट में ज्यादा आने की एक वजह यह है कि डेंगू फैलाने वाला मच्छर एडिज इजिप्टाई डे-बाइटर यानी दिन में काटने वाला है। यह मच्छर सूर्योदय के बाद कुछ घंटों तक और शाम को सूर्यास्त से पहले कुछ घंटों तक सबसे ज्यादा सक्रिय रहता है। स्कूली बच्चे, कॉलेज स्टूडेंट और कामकाजी युवा सुबह-शाम जाते-आते वक्त इस बीमारी की चपेट में आते हैं।

डॉ.संजय कोचर,(मलेरिया-डेंगू पर सालों से रिसर्च कर रहे मेडिसिन विभागाध्यक्ष) का कहना है कि एडिज इजिप्टाई मच्छर डे-बाइटर है। सबसे ज्यादा सुबह-शाम सक्रिय रहता है। बंद कमरों की बजाय खुले में ज्यादा बाइट करता है। साफ दिखने वाले पानी में अंडे देता है।

रात के समय बिजली सप्लाई का किसानों ने विरोध किया

रात के समय 11 बजे से सुबह 4 बजे तक बिजली दी जाती है

सेफरागुवार जीएसएस का घेराव कर बैठे किसान।

खेतड़ी, (निसं)। किसानों द्वारा रात के समय सिंचाई के लिए बिजली सप्लाई देने का विरोध शुरू हो गया है। देर रात को खेतड़ी इलाके के सेफरागुवार जीएसएस पर किसान धरने पर बैठे रहे और रात के समय बिजली सप्लाई देने का विरोध किया। किसानों ने रात को सेफरागुवार जीएसएस पर बिजली कर्मचारियों को बाहर निकाल कर ताला लगा दिया और रात 1 बजे तक किसान धरने पर बैठे रहे। धरने पर बैठे किसानों ने बताया कि सिंचाई के लिए दिन के समय ही बिजली दी जाए। अब डिस्कॉम की ओर से रात के समय सिंचाई के लिए बिजली दी जा रही है।

- सेफरागुवार जीएसएस पर बिजली कर्मचारियों को बाहर निकाल किसानों ने ताला लगाया

किसान दिनभर बुवाई में लगा रहता है। इसके बाद रात को सिंचाई के लिए बिजली सप्लाई देने से किसान की परेशानियां बढ जाती हैं। किसानों ने बताया कि रात के समय 11 बजे से सुबह 4 बजे तक बिजली दी जाती है। जीएसएस पर तालाबंदी और धरने की सूचना के बाद सहायक अभियंता मोहनलाल स्वामी ने किसानों से बातचीत की और दिन में विद्युत सप्लाई सुचारू करवाने का आश्वासन दिया। इसके बाद किसानों ने जीएसएस पर पर लगाई तालाबंदी हटा दी और कर्मचारियों को जीएसएस के अंदर प्रवेश करने दिया।

फिजिकल टीचर्स के इंटरव्यू शुरू

- संभाग और शिक्षा विभाग के डिविजनल मुख्यालयों पर शुरू होंगे नए स्पोर्ट्स काम्पलेक्स

बीकानेर, (कासं)। प्रदेश के सभी संभाग मुख्यालयों और शिक्षा विभाग के डिविजनल मुख्यालयों पर नए स्पोर्ट्स काम्पलेक्स शुरू किए जा रहे हैं। इन केंद्रों पर अनेक खेलों की ट्रेनिंग दी जाएगी। ऐसे में प्रदेशभर में फिजिकल टीचर्स को भी इन केंद्रों पर पदस्थापित किया जा रहा है। यहां बीकानेर में शाला क्रीडा संगम केंद्रों के लिए इंटरव्यू शुरू हो गए हैं।

बीकानेर के अलावा चूरू, अजमेर, जोधपुर, भरतपुर, जयपुर, कोटा, पाली और उदयपुर में ये केंद्र जल्द ही शुरू हो जाएंगे। इन केंद्रों पर बड़ी संख्या में फिजिकल टीचर्स का पदस्थापन किया जाएगा। ऐसे में जो फिजिकल टीचर इन शहरों में अपना पदस्थापन करवाना चाहते हैं, वो आवेदन कर रहे हैं। बीकानेर स्थित शिक्षा निदेशालय में इन टीचर्स के इंटरव्यू हो रहे हैं, जिसके बाद इनका चयन होगा।

ऐसे में बड़ी संख्या में ग्रेड थर्ड, ग्रेड सेकंड फिजिकल टीचर्स को इधर-उधर होने का अवसर भी मिल रहा है। शिक्षा विभाग ने पिछले दिनों में जो बड़ी संख्या में नए खेल भी स्कूल स्तर पर शुरू कर दिए हैं। इनके प्रशिक्षण की व्यवस्था भी इन केंद्रों पर रहेगी। बीकानेर सहित सभी जिलों में पहले से ऐसे केंद्र चल रहे हैं और नए केंद्र खुलने से खिलाड़ियों को प्रशिक्षण मिलेगा, वहीं अपने जिलों से बाहर बैठे फिजिकल टीचर्स को भी अवसर मिलेगा।

लापता युवक का कंकाल गटर की कुई में मिला

खाटूश्यामजी, (निसं)। थाना अंतर्गत मंडा ग्राम से 12 जुलाई को लापता हुए युवक का शव ग्राम के ही पास में स्थित शंकर अग्रवाल के बंद गटर की कुई में मिला।

थानाधिकारी सुभाष चंद्र यादव ने बताया कि लापता श्रवण सिंह शेखावत पुत्र मेघ सिंह की तलाश की जा रही थी। लापता की आस-पास के क्षेत्र में मोबाइल लोकेशन पूछताछ में संदिग्ध एक महिला सहित चार लोग सामने आए। संदिग्ध कैलाश अग्रवाल, महेंद्र सिंह शेखावत, विकास नायक व सुनीता अग्रवाल से गहनता से पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि लापता युवक श्रवण सिंह को अधिक शराब पिलाकर शंकर अग्रवाल के घर पर ही उसे मार कर पीछे बने बंद गटर की कुई में डालकर उसके ऊपर नमक और मिट्टी डाल दी गई जिससे किसी को कोई शक ना हो।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव निकालने के लिए सिविल डिफेंस सीकर को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीम ने मृतक के रिश्तेदार भाई जितेंद्र सिंह को कुई के अंदर उतारा गया। शव के बजाय मृतक के कंकाल हड्डी व अन्य सामान मिला। पुलिस शव को कब्जे में लेकर जैसे ही सीकर के लिए रवाना होने लगे तो मृतक की पत्नी रीटा कंवर के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीणों ने पुलिस को घेर लिया और मौके पर ही धरने पर बैठ गए।

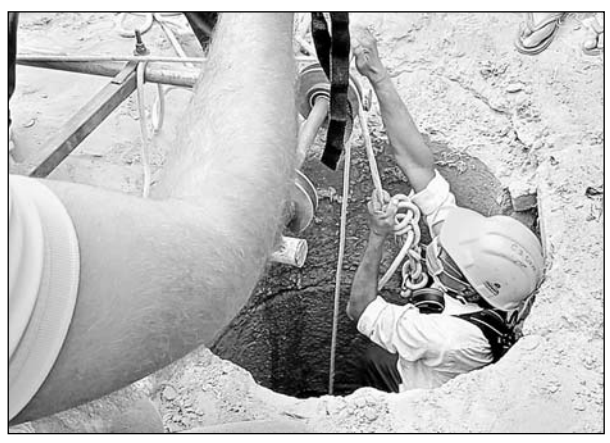

सिविल डिफेंस सीकर की टीम ने कंकाल को कुई से निकाला।

- संदिग्ध लोगों से पूछताछ में हुआ खुलासा

सूचना पर जनप्रतिनिधि पूर्व विधायक अमराराम, गजानंद कुमावत, महावीर कुमावत, हनुमान सिंह शेखावत व गोडावास के सरपंच प्रभु सिंह गोगावास, अरोरा के पूर्व सरपंच मूल सिंह ने धरने पर पहुंचकर विरोध जताया।

एसडीएम व पुलिस के आला अधिकारियों दवारा समझाइश करने पर परिजनों ने मृतक के 5 वर्षीय पुत्री व 2 वर्षीय पुत्र को सरकारी नौकरी देने के साथ एक करोड रुपए का आर्थिक सहायता की मांग की। काफी समझाइश की गई लेकिन परिजनों व धरना स्थल पर बैठे ग्रामीण नहीं माने।

मां से झगड़ा करने पर बड़े भाई की हत्या

अनूपगढ, (निसं)। मां से झगड़ा करने पर छोटे ने बड़े भाई को रोका गुस्से में सिर पर गंडासी से मार दिया। इससे बड़े भाई की इलाज के दौरान रात को मौत हो गई। पुलिस ने मृतक की पत्नी की रिपोर्ट पर दो देवर और सास के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है।

मामला श्रीगंगानगर के अनूपगढ़ की रावला मंडी के गांव 8 केडी का है। मारपीट में घायल करण कुमार विश्नोई (25) पुत्र महादेव ने बीकानेर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस उपाधीक्षक जयदेव सियाग ने बताया कि करण कुमार (25) पुत्र महादेव अपनी मां के साथ झगड़ा कर रहा था। तब छोटे भाई सुनील कुमार(22) ने करण को रोका, लेकिन वह नहीं माना। इस पर दोनों भाइयों में झगड़ा हो गया। गुस्से में आकर सुनील कुमार ने बड़े भाई करण के सिर में गंडासी से वार कर दिया।

- छोटे भाई ने सिर में गंडासी मारी, पुलिस ने हिरासत में लिया

घटना में करण गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को रावला से गंभीर हालत में बीकानेर रैफर कर दिया। इलाज के दौरान युवक ने रात दम तोड़ दिया। पुलिस ने मंगलवार को आरोपी छोटे भाई सुनील को राउंडअप किया है।

मृतक करण की पत्नी मनीता (22) ने रावला पुलिस थाने में देवर सुनील (22) और सुधीर (20) और सास बेदी देवी(63) व दो अन्य ने जान के खिलाफ मामला दर्ज कराया। करण कुमार के 7 महीने की बेटी है। करण अपने 2 भाइयों के साथ एक ही घर में रहता था।

मौसम का बदला मिजाज

श्रीमाधोपुर में शाम चार बजे बाद बारिश का दौर शुरू हुआ।

श्रीमाधोपुर, (निसं)। क्षेत्र में नवंबर के दूसरे सप्ताह के शुरूआत में मंगलवार शाम 4 बजे मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। शाम चार बजे ही अंधेरा सा छा गया और और वाहन चालकों को वाहनों की लाइट जलानी पड़ी।

इसके बाद तेज हवा और बादलों की गर्जना के साथ शाम 4.45 बजे बारिश का दौर शुरू हो गया। मौसम विभाग के अनुसार नए पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) के चलते मौसम में बदलाव के साथ रात के तापमान में 5 डिग्री तक गिरावट दर्ज की जा सकती है। सीकर के कृषि अनुसंधान केंद्र फतेहपुर पर सोमवार रात का पारा 19 डिग्री दर्ज किया गया है। इससे पहले यहां रविवार रात का पारा 13.5 डिग्री और शनिवार रात का पारा भी 13.5 डिग्री दर्ज किया गया था।

स्विमिंग पूल में छात्र की डूबने से मौत

बौंली, (निसं)। निवाई रोड स्थित जयगढ़ पैलेस स्विमिंग पूल बौंली उपखंड मुख्यालय पर अपने साथियों के साथ नहाने गए एक छात्र की डूबने से मौत हो गई। बौंली सर्किल इंस्पेक्टर कुसुम लता मीणा ने बताया कि अमृत लाल मीणा उम्र 16 वर्ष 11वीं कक्षा में जय बजरंग विद्यालय में अध्ययनरत था जो अपने 8-10 साथियों के साथ स्विमिंग पूल में 9:30 पर नहाने गया था।

इसी दौरान सभी छात्र मित्र नहाने में मस्त थे और वह अंदर पानी में छलांग लगाकर कूदा जिससे वह बाहर नहीं निकल पाया। काफी समय बाद जब उसके अन्य साथियों ने उसे नहीं देखा तब उसे बाहर निकाला तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। छात्र अमृत लाल मीणा उम्र 16 वर्ष निवासी खाट कला सूरवाल यहां हॉस्टल में रहकर बजरंग विद्यालय में अध्ययन कर रहा था। पुलिस ने बौंली चिकित्सालय में मृतक छात्र का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

स्वास्तिक कॉ-ऑपरेटिव सोसायटी ने दर्जनों महिलाओं को ठगा

दस-दस हजार रुपए देकर चार से पांच गुना की वसूली

चूरू, (कासं)। स्वास्तिक क्रेडिट कॉ ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड चूरू ने दर्जनों महिलाओं को ठगी का शिकार बनाया है। स्वास्तिक क्रेडिट कॉ ऑपरेटिव सोसायटी ने दर्जनों महिलाओं को दस-दस हजार रुपए का ऋण देकर चार से छह गुना तक राशि वसूल कर ली है। उसके बाद भी उनकी पूर्ति नहीं हुई है। यहां वार्ड नम्बर 24 की 2 सगी बहनों स्नेहा सेन व दीया सेन ने स्वास्तिक क्रेडिट कॉ ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड चूरू से 17 नवम्बर 2017 को दस-दस हजार रुपए लिए थे।

दीया ने बताया कि 3 जुलाई 2020 तक 37800 रुपए नगद जमा करवा दिया। इसके अलावा छह हजार रुपए की कोई रसीद ही नहीं दी गई। इसी प्रकार स्नेहा ने भी 33 हजार से अधिक रुपए जमा करवा दिए और अपना ऋण चुकता कर दिया। उसके बाद दोनों बहनों की विवाह हो गया। दीया सेन ने बताया कि गत सप्ताह स्वास्तिक क्रेडिट कॉ ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड चूरू की मैडम किरण उनके ससुराल लक्ष्मणगढ़ पहुंच गई और जेल भिजवाने की धमकी देने लगी। किरण इतने में ही नहीं मानी और उसने कहा कि वह फिर आएगी और घर के आगे नोटिस चिपकाकर जाएगी। किरण की धमकी के बाद दोनों बहनें मानसिक रूप से परेशान हैं। ससुराल वालों के सामने भी बेवहज नीचा देखना पड़ रहा है।

- दो बहनों को ससुराल जाकर दी जेल भेजने की धमकी
- सोसायटी के खिलाफ उच्च स्तरीय जांच की मांग

इसी प्रकार स्वास्तिक क्रेडिट कॉ ऑपरेटिव सोसायटी ने मीरा से 57625 रुपए, जाहिदा से 42670 रुपए, नीलू से 27800 रुपए वसूल लिए हैं। उसके बाद भी और रुपए मांग रहे हैं। नसीम, किरण आदि सहित दर्जनों अन्य महिलाएं भी स्वास्तिक क्रेडिट कॉ ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड चूरू की ठगी का शिकार हो चुकी हैं। यहां महिलाओं ने बताया कि स्वास्तिक क्रेडिट कॉ ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड वाले धमकाने के लिए लोगों को भेजते हैं। इससे उनका जीना मुश्किल हो गया है। इस संबंध में राजस्थान महिला आयोग की अध्यक्ष रेहाना रियाज को भी अवगत करवाएंगे। उसके बाद भी स्वास्तिक क्रेडिट कॉ ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड चूरू को पाबंद नहीं किया गया तो न्यायालय का सहारा लिया जावेगा। पीड़ित महिलाओं ने दोषी स्वास्तिक क्रेडिट कॉ ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के खिलाफ उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।